महत्वपूर्ण एवं खास

कांग्रेस पार्षद की धारदार हथियार से हत्या

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई 3 से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां पर चरोदा नगर निगम से हथखोज के कांग्रेस पार्षद सूरज बंछोर की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। पार्षद की लाश बंधवा तालाब के पास मिली। शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले। मामले में पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया है। भिलाई-तीन चरोदा निगम के वार्ड-2, औद्योगिक क्षेत्र हथखोज से कांग्रेस पार्षद की हत्या खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि पार्षद अपने दोस्तों के साथ तालाब में बैठे थे। वहीं कुछ देर बाद पार्षद के मौत की खबर मिली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तालाब के पास से पार्षद का शव बरामद किया।मौत की खबर मिलते ही कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। पार्षद की हत्या के मामले में भले ही पुलिस ने पांच संदेहियों को हिरासत में ले लिया है, लेकिन हत्या के पीछे वजह अभी तक सामने नहीं आ पाई है।

महुआ पेड़ से गिरकर एक ग्रामीण गंभीर रूप से हुआ घायल

दंतेवाडा। जिले के गीदम ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जावंगा ग्राम में एक ग्रामीण चापड़ा चींटी निकालने महुआ पेड़ में चढ़ा अचानक पैर फिसलने के कारण वह नीचे गिरकर घायल हो गया। इस घटना से ग्रामीण सुधराम कोवासी के सिर में गम्भीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलने पर गीदम 108 की टीम ने घायल ग्रामीण को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गीदम पहुंचाया जहां ग्रामीण का इलाज किया जा रहा है। गौरतलब है कि चापड़ा चींटी की चटनी बस्तर के ग्रामीणों का एक प्रसिद्ध व्यंजन है। बस्तर अंचल के ग्रामीण इस व्यंजन को स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी मानते है। यह चापड़ा चटनी लाल चींटियों से बनती है और इन लाल चींटियों का समूह मीठे फल वाले वृक्ष के पत्तो में पाए जाते है जिसे निकालने जावंगा का ग्रामीण महुआ के वृक्ष में चढ़ा था, पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया है।

टोनही प्रताड़ना मामले में 3 आरोपी हुए गिरफ्तार

कोडागांव (आरएनएस)। जिले के सातगांव निवासी एक महिला को बार-बार टोनही कहने और मारने की धमकी देने वाले 03 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसडीओपी कपिल चंद्रा ने बताया कि सातगांव निवासी रामपांडे और उनकी पत्नी मीना पांडे के साथ इसी गांव के रहने वाले पीलाराम दीवा, संतोष दीवान और संतोषी दीवान आए दिन इनके साथ झगड़ा करते थे। तीनों मीना को टोनही कहकर बुलाते थे। महिला की रिपोर्ट पर आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में निरीक्षक अर्चना धुरंधर, एसाई नमिता टेकाम, सउनि लोकेश्वर नाग शामिल थे।

43 आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठानों में भेजा गया

रायपुर (आरएनएस)। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा रोका-छेका अभियान के तहत राजधानी शहर के विभिन्न मार्गो में आवारा मवेशियों को काऊकेचर वाहनों की सहायता से विभिन्न मुख्य मार्गो से विशेष टीमों के माध्यम से पकड़कर गौठानों में भेजे जाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इस क्रम में जोनों की टीमों द्वारा सोमवार को अभियान चलाकर कुल 43 आवारा मवेशियों को पकड़कर काऊकेचर वाहन की सहायता से विभिन्न गौठानों में भेजने की कार्यवाही की गयी। रोका-छेका अभियान के नोडल अधिकारी दिनेश कोसरिया ने बताया कि निगम जोन 3 ने विभिन्न मुख्य मार्गों से 7 आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजा. जोन 7 ने विभिन्न मुख्य मार्गो से 5 आवारा मवेशियों को पकड़कर अटारी गौठान भेजा। जोन 8 ने विभिन्न मुख्य मार्गो से 7 आवारा मवेशियों को पकड़कर अटारी गौठान भेजा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 को नई दिल्ली में ग्रहण करेंगे राष्ट्रपति से स्वच्छता अवार्ड

» राज्य के 61 निकायों को भी मिलेगा पुरस्कार, छत्तीसगढ़ से सबसे ज्यादा निकायों को मिलेगा सम्मान

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 20 नवंबर 2021 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों छत्तीसगढ़ को भारत के स्वच्छतम् राज्यों की श्रेणी में दिए जाने वाला अवार्ड ग्रहण करेंगे। छत्तीसगढ़ ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए देश के स्वच्छतम राज्य के अपने दर्जे को बरकरार रखते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ को न सिर्फ़ राज्य के रूप में, बल्कि यहां के 61 शहरी निकायों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य होगा जिसके सबसे ज्यादा निकाय पुरस्कृत किए जा रहे हैं। स्वच्छता के मामले में छत्तीसगढ़ वर्ष 2019 एवं 2020 में भी अग्रणी राज्य रहा है। गौरतलब है कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्यमंत्रालय द्वारा हर साल देश के समस्त शहरों एवं राज्यों के मध्य स्वच्छ सर्वेक्षण का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत शहरी स्वच्छता का आंकलन किया जाता है। मुख्य रूप से घर-घर से कचरा एकत्रीकरण, कचरे का वैज्ञानिक रीति से निपटान, खुले में शौच मुक्त शहर, कचरा मुक्त शहर आदि के थर्ड पार्टी के माध्यम से आंकलन करते हुए नागरिकों के फीडबैक को भी इसमें शामिल किया जाता है। इसी आधार पर राज्यों एवं शहरों की रैंकिंग जारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों तथा शहरों को पुरस्कृत किया जाता है। छत्तीसगढ़ देश का ऐसा एक मात्र प्रदेश है जहां पर नरवा, गरूवा, घुरवा एवं बाड़ी के सिद्धांतों के अनुरूप 9000 से अधिक स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर से 1600 टन गीला एवं सूखा कचरा एकत्रीकरण करते हुए वैज्ञानिक रीति से कचरे का निपटान किया जा रहा है। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को देश का प्रथम ओडीएफ्प्लस प्लस राज्य घोषित किया गया है।

पिता-पुत्र को हाइवा ने मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

» गुस्साए परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर कर दिया चक्काजाम

जांजगीर चाम्पा (आरएनएस)। जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र में अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार लोगो को ठोकर मार दी। बिलासपुर से मुलमुला की ओर आ रही हाइवा ने कोनार मोड के पास बाइक सवार पिता पुत्र को चपेट में लिया जिससे मौके पर दोनो की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रघुनाथ यादव उम्र 35 वर्ष अपने पत्नी व पुत्र जय यादव उम्र 7 वर्ष अपने ससुराल आया था। रघु यादव ससुराल से निकलकर अपने बाइक पर पुत्र के साथ कोनार मोड पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर अपने गाँव हड़हाधड़ा (बोहारडीह) के लिए जा रहा था। जैसे ही बाइक से सड़क किनारे पहुँचे इस दौरान नरियरा मुलमुला मार्ग से पत्थर लोड हाइवा ने बाइक को चपेट में लिया जिससे चक्के में दबने से पुत्र की मौत हो गया। वहीं घटना में पिता भी गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए ले जाया जा रहा था। रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगो ने बिलासपुर रायगढ़ नैशनल हाई वे में चक्काजाम कर दिया। उच्च अधिकारियों की समझाइस के बाद मृतक के परिजनों को सहायता राशि दी गई और दोषी हाइवा चालक के तलाश शुरू कर दी है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी का जन-जागरण अभियान शुरू

कोरबा। देश भर में महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा जन.जागरण अभियान व पदयात्रा अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार कोरबा जिले के सभी 15 ब्लॉकों में ब्लॉक स्तर पर जन-जागरण अभियान की शुरूवात की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र जायसवाल एवं सपना चौहान ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार यह जन जागरण व पदयात्रा अभियान दिनांक 14 नवम्बर से 29 नवम्बर तक चलाया जाना है। दर्री ब्लॉक अंतर्गत दर्री बाजार क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर जैन के नेतृत्व में जन जागरण अभियान की शुरूवात की गई। जमनीपाली ब्लॉक के संगठन प्रभारी राजेन्द्र तिवारी दर्री ब्लॉक के प्रभारी श्याम सुंदर सोनीए सहायक प्रभारी राजेन्द्र सिंह ठाकुर तथा लोकसभा प्रभारी आत्माराम क्षत्री के साथ साथ महापौर राजकिशोर प्रसाद, कोरबा ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, कुसुम द्विवेदी, गीता गभेल, क्रांति सोनी, द्रोपती तिवारी, राजेश चौहान, भुवनेश्वर दुबे, बी सी नामदेव, डॉ. नेताम, सरोजनी मेहर, लक्ष्मी प्रसाद भट्ट, रमेश नवरंग, सुरेश राठौर आदि सहित भारी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर लोक सभा प्रभारी आत्माराम क्षत्री ने कहा कि मोदी राज में महंगाई चरम पर है। जबसे मोदी जी ने सत्ता पाया है तभी से महंगाई दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रही है। पेट्रोल डीजलए रसोई गैसए खाद्य तेलए अनाजए सब्जियों सहित दैनिक उपयोग की वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से दूर हो गई है।

जिले में 3 हजार एकड़ में किया जाएगा कॉफी का उत्पादन

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर जिले के दरभा में किये जा रहे कॉफी उत्पादन की सफ्लता को देखते हुए अब कॉफी की खेती बड़े पैमाने पर की जाएगी। मंगलवार को कॉफी के उत्पादन एवं क्षेत्र विस्तार के संबंध में उद्यान महाविद्यालय कॉलेज में आयोजित बैठक में कलेक्टर रजत बंसल ने बस्तर में जलवायु की अनुकूलता को देखते हुए 3 हजार एकड़ में कॉफी की खेती प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कॉफी की खेती के लिए दरभा, बास्तानार और लोहंडीगुडा विकासखण्ड की जलवायु को अधिक अनुकूल होने के कारण वहां के किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कॉफी उत्पादन कार्य के लिए जिला स्तर पर समिति का गठन करने के साथ ही उसमें आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक को भी शामिल करने के निर्देश दिए। कॉफी उत्पादन हेतु वन अधिकार पत्रधारी परिवारों के कलस्टर को प्राथमिक रूप से चयन करने तथा चयनित परिवारों की महिलाओं को शत् प्रतिशत बिहान समूह से जोडने हेतु निर्देशित किया गया। तथा प्रत्येक परिवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बैंक लिंकेज से लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया। कॉफी हेतु चयनित समस्त परिवार एवं उनकी भूमि का निरीक्षण एवं चर्चा करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार को निर्देशित किया गया। उद्यानिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. के.पी. सिंह को चयनित समस्त क्षेत्र का भ्रमण कर कॉफी उत्पादन हेतु भूमि एवं जलवायु की उपयुक्ता के संबंध में जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर डॉ. के.पी. सिंह के द्वारा प्रदाय जानकारी के अनुसार आगामी 02 वर्ष में कॉफी पौधों की तैयारी के लिए बीज का उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा, जिससे पौधे तैयार करने के लिए बाहर से बीज मंगाने की जरूरत नहीं होगी। 05 लाख कॉफी नर्सरी का उत्पादन उद्यान महाविद्यालय एवं 05 लाख कॉफी पौधे का उत्पादन उद्यानिकीय विभाग के द्वारा किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सु ऋचा प्रकाश चौधरी, संयुक्त कलेक्टर गोकुल रावटे अधिकारीगण उपस्थित थे।

अब हुआ वनवासियों के साथ न्याय: जमीन के मालिकाना हक के साथ किसान का भी दर्जा मिला

कोरबा। आदि अनंत काल से जल-जंगल-जमीन से वनवासियों का नाता इतना प्रगाढ़ है कि इसके लिए वे जान न्यौछावर करने से भी परहेज नहीं करते। सालों से जिस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं, वह जमीन भी जंगल की थी। अपने पसीने की बूंदों से सींच कर अनाज उगाने वाले इन वनवासियों का जमीनों पर मालिकाना हक भी नहीं था। खेती करते थे, अनाज उगाते थे पर किसान की जगह वनवासी कहलाते थे। जमीन का मालिकाना हक नहीं होना और खेती करने के बाद भी किसान का दर्जा नहीं मिलना इन भोले-भाले मेहनत कश वनवासियों के साथ बड़ा अन्याय था। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुवाई में बनी सरकार ने प्रदेश सहित

कोरबा जिले के भी ऐसे सैकड़ों वनवासियों के साथ वास्तविक न्याय किया है। जमीन का मालिकाना हक और किसान होने का दर्जा छत्तीसगढ़ सरकार ने इन वनवासियों को वन अधिकार पट्टे देकर पूरा किया है। इतना ही नहीं सरकार ने दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले इन ग्रामीणों को इनकी जमीन का अधिकार देने के साथ-साथ उनकी आजीविका के लिए भी पर्याप्त इंतजाम कराए हैं। वनवासियों को रोजी-रोटी चलाने के लिए वन संसाधन पट्टे दिए गए हैं। वन संसाधन पट्टे जंगलों में आजीविका के साधनों पर वनवासियों का अधिकार सुनिश्चित कराता है। ग्रामीण वनांचलों में रहने वाले लोगों को खेती किसानी के लिए भूमि समतलीकरण, मेड़ बंधान, सौर उर्जा से चलने वाले सिंचाई पंप से लेकर खेतों की जानवरों से सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग तक सरकार ने उपलब्ध कराए हैं। वनवासियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने और उनके आय के साधनों को बढ़ाने के ये तरीके वास्तव में लंबे से उपेक्षित रहे इन भाई-बहनों के साथ वास्तविक न्याय है। कोरबा जिले में अभी तक 52 हजार 719 विभिन्न वन अधिकार पट्टों का वितरण कर जंगलों में निवास करने वाले आदिवासी ग्रामीणों को वनभूमि का अधिकारिक मालिक बनाया गया है। इनसे लगभग 50 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि सीधे इन वनवासियों के मालिकाना हक में आ गई है। वन अधिकार अधिमान्यता पत्र देने के अधिनियम में तीन अलग-अलग वर्गों में बांटकर जंगलों में रहने वाले लोगों को वनभूमि का हक दिया जा रहा है। व्यक्तिगत वन अधिकार अधिमान्यता पत्र के तहत वनवासियों के 75 वर्षों का रिकॉर्ड देखकर उन्हें वनभूमि का पट्टा दिया जा रहा है।

नशेड़ी बेटे को सुधारने पिता की पिटाई हुई जानलेवा साबित, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (आरएनएस)। नशेड़ी बेटे को सुधारने की गरज से की गई पिता की पिटाई जानलेवा साबित हुई। मामला सकरी थाना क्षेत्र के ग्राम लोखंडी का है। शिवा धृतलहरे मूलतः मुंगेली जिले के फास्टरपुर चौकी का रहने वाला है। वह लोखंडी के रामघाट में परिवार सहित रहता था और ऑटो चलाकर जीवन गुजारा करता है। उसका 12 साल का छोटा बेटा जेक्स धृतलहरे पांचवी कक्षा में पढ़ता था। जेक्स नशे का आदी हो गया था 16 जुलाई को वह बिना बताए घर से भाग गया था। इस पर शिवा ने अपने बड़े बेटे जेम्स धृतहरे को उसे पकड़कर लाने के लिए भेजा। इसके बाद उसे खाट में बांध कर डंडे से पिटाई की। इसके बाद वह ऑटो चलाने के लिए चला गया। इस बीच जेक्स की तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत हो गया। तब उसे सिम्स अस्पताल ले जाया गया। सिम्स अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शव का पीएम कराया गया, तब डॉक्टर ने रिपोर्ट में गहरे जख्म लगने से उसकी मौत होने की पुष्टि की। इस पर पुलिस हत्या का अपराध दर्ज कर जांच कर रही थी। जांच के दौरान परिजन इस घटना की सच्चाई को छिपा रहे थे। पुलिस ने मोबाइल कॉल डिटेल की जांच की, तब आरोपी पिता ने अपराध स्वीकार किया।

सौर सुजला योजना : दूरस्थ अंचलों के किसानों को मिल रहा है लाभ

» सुकमा जिले में तीन हजार सोलर पंप स्थापित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के वनांचल के किसानों को अब सौर ऊर्जा चलित पम्पों से सिंचाई सुविधा का लाभ मिल रहा है। सुकमा जिले के सुदूर अंचल के जहां विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। ऐसे स्थानों पर किसानों को राज्य शासन की सौर सुजला योजना के पम्प दिए जा रहे हैं, जो किसानों की आर्थिक उन्नति का आधार साबित हो रहे हैं। इन पम्पों की सुविधा से किसान फसल में सिंचाई के साथ-साथ साग-सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं। इस योजना से लाभान्वित सुकमा जिले के गोलापल्ली निवासी सुन्नम भीमा ने बताया कि पहले उन्हें पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। इससे फसल को भी नुकसान पहुंचता था। खेत से 500 मीटर दूरी से बिजली का जुगाड़ करना पड़ता था। डीजल पंप के इस्तेमाल में काफी खर्च होता था। उन्होंने बताया कि 2019-20 में उसे सौर उर्जा चलित पंप प्रदाय किया गया। इससे सिंचाई में उन्हें काफी सुविधा हो गई। वे अपनी ढाई एकड़ खेत में सब्जियों और कपास की फसल का उत्पादन करते हैं। इससे उनकी आमदनी बढ़ गई है। सुकमा जिले के सहायक अभियंता क्रेडा, गोपी कश्यप ने बताया कि सौर सुजला योजना के माध्यम से सुकमा जिले में कृषि कार्य हेतु लगभग 3000 सोलर पम्पों की स्थापना की जा चुकी है और 100 पम्पों का स्थापना कार्य प्रगतिरत है। आगामी वर्ष में जिला प्रशासन सुकमा द्वारा जिले के पुलिस थाना एवं बेस कैम्प के समीपस्थ ग्रामों के 500 किसानों का पृथक से चयन कर बोरवेल खनन तथा सौर पम्प स्थापना की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिससे उनके द्वारा उत्पादित साग-सब्जियों का प्रबंध एवं विक्रय आसपास के कैम्प एवं ग्रामों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के दुर्गम व वनांचल इलाके जैसे मरईगुड़ा, किस्टाराम, सिन्दुरगुडा, एलकनगुड़ा धर्मापेन्टा, गोलापल्ली, कोतुर तथा जगरगुन्डा में सोलर पम्प की स्थापना से किसानों को खरीफ एवं रबी की फसल के साथ-साथ मौसमी साग-सब्जियां का उत्पादन, तथा आर्थिक स्थिति में परिवर्तन आया है। कृषक कृषि के एक सीमित दायरे से निकलकर अन्य मुनाफ देने वाली फसल लेने में भी उत्साह दिखा रहे है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य बिन्दु
पीड़ित संपर्क करें
अन्य बिन्दु
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

एक साथ एक लाख लोगों को कोविड टीका लगाने की तैयारी: 18 नवंबर को महाभियान

» अगले 45 दिनों में जिले के 18 वर्ष से अधिक सभी लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य

कोरबा। कोरबा जिले में 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना का टीका लगाने की तैयारी कर ली गई है। जिले में एक साथ एक दिन में एक लाख लोगों को कोविड टीका लगाने के लिए 18 नवंबर को टीकाकरण का महाभियान चलेगा। इस दिन पहले से बने सभी टीकाकरण केन्द्रों सहित मोबाइल यूनिटों के माध्यम से भी लोगों को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। नए साल के पहले दिन तक जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों का शत-प्रतिशत कोविड टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने आज स्वास्थ्य, राजस्व, खनिज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और सभी सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। बैठक में 18 नवंबर को कोविड टीकाकरण महाभियान के लिए कार्ययोजना तैयार की गई और सभी से इस कार्ययोजना अनुसार काम करते हुए एक लाख से अधिक लोगों का एक दिन में टीकाकरण कराने मे सहयोग करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इस बैठक में नगर निगम आयुक्त कुलदीप शर्मा, जिला पंचायत के सीईओ नूतन कंवर, अपर कलेक्टर सुनील नायक सहित सीएमएचओ डॉ. बी. बी. बोडे और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश भी मौजूद रहे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पिछले दो साल के अनुभवों के अनुसार कोरोना की लहर ठण्ड के मौसम के बाद अपने चरम पर होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और महामारी विश्लेषकों ने भी देश में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई है। कलेक्टर ने कहा कि अभी तक हुए टीकाकरण की बदौलत ही जिले में कोरोना के प्रकरण नियंत्रण में है। उन्होंने सभी 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाकर जिले में कोरोना संक्रमण से पूरी तरह नियंत्रित करने में सहयोग की अपील अधिकारियों से की। श्रीमती साहू ने अगले दो दिनों में सघन सर्वे कर हर घर से टीकाकरण करा चुके लोगों और टीकाकरण से छूट गए लोगों की पूरी सूची तैयार करने के निर्देश सभी को दिए। उन्होंने अभी तक टीके की पहली डोज से भी छूटे और टीके की दूसरी डोज नहीं लगवाने वाले लोगों की अलग-अलग जानकारी रखने के लिए कहा।